वार्षिक रिपोर्ट
1997—98

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
देहरादून

वार्षिक रिपोर्ट

1997—1998

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

देहरादून

प्रस्तावना

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (भा.वा.अ.शि.प.) की वर्ष 1997-98 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यधिक हर्ष की अनुभूति हो रही है। इसमें परिषद् द्वारा वर्ष के दौरान आरम्भ किए गए प्रमुख कार्यों एवं प्राप्त उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। भा.वा.अ.शि.प चूंकि वानिकी अनुसंधान क्षेत्र का एक प्रमुख संगठन है अत: यह अत्यधिक महत्ता वाले क्षेत्रों में अनुसंधानों को कार्यान्वित करता है जिसमें परिणामों के प्रचार-प्रसार तथा तकनीकों के हस्तान्तरण पर बल दिया जाता है।

परिषद् के अनुसंधान कार्यक्रम एक अनुसंधान सलाहकार संघ के परामर्श से योजित किए जाते हैं तथा राष्ट्रीय सलाहकार संघ के विशेषज्ञों का विभिन्न क्षेत्रों एवं संगठनों से चुनाव किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश के समस्त कृषि पारिस्थितिक क्षेत्रों को तय करते हुए एक विशद् तथा संतुलित पहुंच स्थिर की जा सके।

भा.वा.अ.शि.प. का एक मुख्य ध्येय संगठनों की वानिकी हेतु सहायता, प्रोत्साहन एवं समन्वयन करना भी है। तदनुसार वर्ष के दौरान राज्य वन विभागों, विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संगठनों की 12 अनुसंधान परियोजनाओं हेतु नौ करोड़ बीस लाख रुपये की स्वीकृति दी गई।

इसी प्रकार परीक्षित तकनीकियों को अपनाने के लिए 12 परियोजनाओं हेतु एक करोड़ दस लाख रुपये की संस्वीकृति प्रदान की गई।

इस वर्ष में मूलभूत सुविधाओं में काफी बढ़ोत्तरी हुई जिससे गुणवत्तापूर्ण उच्चतर वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्राप्त करने की क्षमता में वृद्धि हुई। इनमें अत्याधुनिक (उन्नत) वैज्ञानिक उपकरणों की प्राप्ति तथा स्थानीय कम्प्यूटर तंत्र (LAN) का लगाया जाना एवं परिषद् मुख्यालय में इन्टरनेट पहुंच का सूत्रपात करना शामिल हैं।

परिषद् सदा वानिकी अनुसंधान की उत्कृष्टता, शिक्षा एवं प्रसार हेतु समर्पित है, ताकि वानिकी के माध्यम से गरीबी का उन्मूलन किया जा सके।

वैज्ञानिक तथा वनविद् उनकी वैज्ञानिक वन संवर्धन के क्षेत्र में अपनायी गई उपयुक्त संकल्पनाओं एवं सद्-उद्देश्यों के लिए प्रशंसा के पात्र हैं।

13/4/2000

(एम०के० शर्मा)
महानिदेशक
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
देहरादून

विषय वस्तु

अध्याय		पृष्ठ संख्या
1.	भारतीय वानिकी अनुसंधाान एवं शिक्षा परिषद द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियाँ	(i)
2.	वर्ष 1997-98 के दौरान प्रमुख उपलब्धियों का सारांश	1
3.	परिचय	6
4.	वन अनुसंधाान संस्थान, देहरादून	9
5.	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर	47
6.	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर	67
7.	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधाान संस्थान, जबलपुर	79
8.	वर्षा एवं ़नम पर्णपाती वन अनुसंधाान संस्थान, जोरहाट	101
9.	शुष्क वन अनुसंधाान संस्थान, जोधपुर	111
10.	हिमालय वन अनुसंधाान संस्थान, शिमला	130
11.	वन उत्पादकता संस्थान, रांची	137
12.	सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद	141
13.	वानिकी अनुसंधाान एवं मानव संसाधान विकास केन्द्र, छिंदवाड़ा	147
14.	वन अनुसंधाान केन्द्र, हैदराबाद	152
15.	वानिकी विस्तार	155
16.	वानिकी शिक्षा	167
17.	वानिकी सांख्यिकी	172
18.	विदेशों से सहायता प्राप्त परियोजनायें	175
19.	परीक्षित वार्शिक लेखा	189